(ख) और (ग) 1993–94 के दौरान उत्तरांचल के विकास के लिए 408 करोड़ रुपये का परिव्यय नियत किया गया है जिसका ब्यौरा नीचे दिया गया है :—

क्र० सं०	मद	परिव्यय	करोड़ रुपये व्यय (अब तक दी गई राशि)
1.	कृषि एवं संबद्ध सेवाएं	91.50	28.33
2.	ग्रामीण विकास	27.70	4.53
3.	सिचाई एवं बाढ़ नियंत्रण	19.05	9.29
4.	ऊर्जा	57.50	15.35
5.	उद्योग एवं खनन	10.31	3.38
6.	परिवहन तथा संचार	64.51	20.69
7.	विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी	0.63	0.03
8.	सामान्य आर्थिक सेवाएं	15.10	4.36
9.	सामाजिक सेवाएं	121.70	41.55
	जोड़	408.00	127.51

[अनुवाद]

प्रधानमंत्री द्वारा वक्तव्य

इन्सेट–2बी उपग्रह

प्रधानमंत्री (श्री पी० वी० नरसिंह राव) : सदन के माननीय सदस्यों को यह सूचित करते हुए मुझे खुशी हो रही है कि द्वितीय पीढ़ी के स्वदेशी रूप में निर्मित द्वितीय बहुद्देशीय भू-स्थायी उपग्रह, इन्सैट–2बी० को इसकी कक्षीय स्थिति में सफलतापूर्वक स्थापित कर दिया गया है तथा इसके सभी नीतभार चालू कर दिए गए हैं। अन्तरिक्षयान को पूरी तरह प्रचालनात्मक घोषित कर दिया गया है।

2. 1932 कि०ग्रा० भार के उपग्रह को एरियन प्रमोचन राकेट द्वारा जुलाई 23, 1993 को सफलतापूर्वक प्रमोचित किया गया तथा इसे भू-स्थायी अन्तरण कक्षा में प्रक्षेपित किया गया। प्रमोचन के तुरन्त बाद, उपग्रह में रखी प्रणालियों का उपयोग करते हुए कर्नाटक में हसन स्थित इन्सैट प्रधान नियंत्रण सुविधा द्वारा अनेक महत्वपूर्ण युक्तिचालन कार्य किए गए। सर्वप्रथम द्रव अप भू-मीटर की तीन चरणों में फायरिंग करके उपग्रह को पृथ्वी के ऊपर लगभग 36,000 कि० मी० की भू-तुल्यकाली

कक्षा के निकट स्थापित किया गया। तत्पश्चात, उपग्रह को इसके अन्तिम कक्षीय स्थान के लिए 93.5 डिग्री पूर्व देशांतर की ओर धीरे-धीरे अग्रेसित किया गया और सभी प्रस्तरण कार्य किए गए। इन्सैट–2बी–में रखी सभी प्रणालियों के उत्कृष्ट कार्यनिष्पादन के परिणामस्वरूप इसने अपना सम्पूर्ण कक्षीय संरूपण समयानुसूची के अनुसार प्राप्त कर लिया ।

3. इन्सैट-2बी-उपग्रह में छह विस्तृत सी–बैण्ड सहित 18–सी बैण्ड प्रेषानुकर, 2 उच्च शक्ति के एस–बैण्ड प्रेषानुकर, मौसमविज्ञानीय प्रतिबिम्बन के लिए एक अत्यन्त उच्च विभेदन रेडियोमीटर, एक आंकड़ा रिले प्रेषानुकर तथा एक खोज एवं बचाव प्रेषानुकर रखे गए हैं। सभी नीतभारों की विस्तृत जांचों की श्रृंखला और विशिष्टीकरण का कार्य किया जा चुका है तथा अन्तरिक्षयान को अगस्त 15, 1993 से नियमित रूप से प्रचलनात्मक उपयोग में लाया जायेगा ।

4. इन्सैट–2 बी० उपग्रह अधिक लम्बी दूरी के दूरसंचार सर्किट, व्यवसाय नेटवर्क, सुदूर क्षेत्र संचार, टेलिकान्फ्रेन्स, राष्ट्रीय और प्रादेशिक टी० वी० नेटवर्क, उपग्रह दूरदर्शन चैनल, संदेश और आंकड़ा नेटवर्क के संबंध में इन्सैट प्रणाली की क्षमता को बढ़ायेगा । इन्सैट–2 बी प्रणाली में खोज और बचाव नीतभार नामक एक नयी विशिष्टता को शामिल किया गया है, जो उपयुक्त बचाव कार्य करने के लिए भारत के चारों ओर व्यापक भू-भाग पर आपदा चेतावनी से संबंधित संकेतों का तत्काल पता लगायेगा ।

5. इन्सैट–2 बी० उपग्रह, जोकि इन्सैट–2 ए० के समान ही एक जटिल और अत्याधुनिक अन्तरिक्षयान है, को न्यूनतम आयातित पुर्जों और उपकरणों की सहायता से भारत में ही पूरी तरह डिजाइन और निर्मित किया गया है । मुझे विश्वास है कि इस सदन के सदस्य मेरे साथ राष्ट्रीय सेवाओं के लिए, इन्सैट–2 बी० उपग्रह को उपलब्ध कराने में अर्जित महान सफलता के लिए, अन्तरिक्ष विभाग और भारतीय अन्तरिक्ष अनुसंधान संगठन के सभी वैज्ञानिकों, इंजीनियरों, तकनीशियनों तथा अन्य सभी की अत्यन्त प्रशंसा और हार्दिक बधाई देना चाहेंगे । देश इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर सचमुच ही गर्व कर सकता है।

12.04 म० प्र०

श्री सोमनाथ चटर्जी (बोलपुर) : अपने वैज्ञानिक को बधाई देने के मामले में हम भी प्रधान मंत्री के साथ हैं (**व्यवधान**)

अध्यक्ष महोदय : कृपया एक एक करके बोलो मैं आपको अनुमति प्रदान करूंगा। लेकिन पहले मैं शिवराज सिंह चौहान को अनुमाति दूंगा क्योंकि मैंने उनसे कल वायदा किया था ।

(हिन्दी)

श्री शिव राज सिंह चौहान (विदिशा) : अध्यक्ष महोदय, धन्यवाद।

मान्यवर विदिशा जिले में लाखों लोगों का जीवन संकट में है बेतवा नदी विदिशा और रायसेन जिलों की जीवन रेखा और विदिशा, बासौदा, पुरवाई और मंडीबामौरा सहित अनेक शहर और